University in News on 04 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में तीन हजार रुपये अतिरिक्त फीस देंगे एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) के विद्यार्थियों को तीन हजार रुपये अतिरिक्त फीस चुकानी होगी। विभाग ने तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए फील्ड एक्सपोजर का प्रावधान किया है। इसके लिए हर विद्यार्थी को अतिरिक्त फीस देनी होगी।

लविवि में सामाजिक कार्य विभाग में चलने वाले मास्टर ऑफ सोशल वर्क के विद्यार्थियों को अब तीसरे सेमेस्टर में फील्ड विजिट कराई जाएगी। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू हो जाएगी। बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इसे एकेडमिक काउंसिल और कार्य परिषद के सामने रखा जाएगा। अतिरिक्त फीस की व्यवस्था होने से इसे वित्त समिति के सामने भी रखा जाएगा।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक, विद्यार्थियों को थ्योरी के साथ ही व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए फील्ड विजिट की व्यवस्था की गई है।

तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को कराई जाएगी फील्ड विजिट

वूमेन स्टडीज में भी कई अहम बदलाव

इंस्टीट्यूट ऑफ वूमेन स्टडीज में भी कई अहम बदलाए किए गए हैं। इन पर फैकल्टी बोर्ड ने मुहर लगा दी है। बदलाव के बाद एमए तृतीय सेमेस्टर में लैंगिक इंटर्नशिप को ऐच्छिक पेपर के स्थान पर जोड़ा गया है। इंट्राडिपार्टमेंटल पेपर भी सिलेबस में जोड़ा गया है। इसी तरह मूल्य आधारित पेपर मेंटल हेल्थ एंड वूमेन को ऐच्छिक के रूप में शामिल किया गया है। वूमेन एंड फिलॉसिफिकल ट्रेडीशन को वैल्यू एडेड कोर्स के रूप में जोड़ा गया। इसी तरह गर्भ संस्कार को कोर के साथ ही मूल्य आधारित पेपर के रूप में शामिल किया गया है।

बौद्ध दर्शन व पालि साहित्य में भी पीएचडी कराएगा संस्कृति विवि

लखनऊ। संस्कृत विश्वविद्यालय अब बौद्ध दर्शन और पालि साहित्य व थेरवाद (प्राचीन त्रिपिटक धार्मिक ग्रंथ) पर स्नातक, परास्नातक के साथ ही पीएचडी भी शुरू करेगा। नए सत्र से इसमें प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। संस्कृत विश्वविद्यालय में अभी तक बौद्ध दर्शन व पालि एक ही विभाग में संचालित हो रहे थे, लेकिन अब इसमें विस्तार कर बौद्ध शोध संस्थान की पहल पर दो अलग-अलग विभाग शुरू करने की तैयारी है।

संस्थान के बोर्ड ऑफ एकेडमिक स्टडीज की बैठक में इस फैसले पर मुहर भी लग गई है। नए विभागों के लिए शिक्षकों की नियुक्ति की तैयारी भी तेज कर दी गई है। विभाग के प्रो. प्रफुल्ल गड़पाल ने बताया कि दोनों विभागों में स्नातक, परास्नातक के साथ पीएचडी भी होगी। पालि विभाग के परास्नातक में 44 सीटों पर अप्रैल से प्रवेश शुरू होंगे, जबकि बौद्ध दर्शन के परास्नातक पाठ्यक्रम में 11 सीटों पर प्रवेश होंगे। दोनों विभागों में कम से कम सात-सात शिक्षकों की नियुक्ति की तैयारी है। ऐसा होने पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी पीएचडी में भी प्रवेश ले सकेंगे।

वहीं, विभाग के प्रो. उमाशंकर व्यास ने बताया कि पालि भाषा एवं साहित्य के समकालिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। देश की विविध भाषाओं से पालि के शब्दकोशों के निर्माण से इसमें अध्ययन एवं अनुसंधान में मदद प्राप्त होगी।

उन्होंने सुझाव भी दिया कि कक्षा छह से 12 तक भी पालि को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में पालि विभागों की स्थापना करके शिक्षकों की नियुक्तियां हों। पालि सिखाने के अभिनव पाठ्यक्रम एवं पुस्तकों का निर्माण भी समय की मांग है।

i-NEXT PAGE 3

बिजनेस एनालिटिक्स और डाटा साइंस में बनें परफेक्ट

एलयू में पहली बार शुरू होने जा रहा बिजनेस एनालिटिक्स का कोर्स

LUCKNOW (3 MARCH): आज के दौर में बिजनेस इंडस्ट्री में बिजनेस इनसाइट और स्ट्रैटेजिक सॉल्यूशन्स देने वाले एक्सपर्ट्स की मांग लगातार बढ़ रही है. ऐसे में इंडस्ट्री की बारीकियों को समझने और एनालिटिकल रिकल्स को इंक्रीज करने के लिए स्टूडेंट्स का रुझान एनालिटिक्स की तरफ लगातार बढ़ रहा है. जिसको देखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी इस नए सेशन से बिजनेस एनालिटिक्स में ग्रेजुएशन कोर्स की शुरूआत करने जा रही है.

> बिजनेस इंडस्ट्रीज में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और एआई की हेल्प से डाटा एनालिसिस काफी पॉपुलर हो गया है. इंडस्ट्रीज में बिजनेस स्ट्रैटजी तैयार करने, सेल्स की प्रॉपर प्लानिंग और एनालिटिकल थिंकिंग के लिए बिजनेस एनालिस्ट, डाटा साइंटिस्ट, स्ट्रैटजिक मैनेजर की डिमांड हाई है. बीबीए एनालिटिक्स स्पेशलाइजेशन कोर्स से स्टूडेंट इस इंडस्ट्री में बेहतर करियर बना सकते हैं.
> **प्रो. विनीता काचर,** डायरेक्टर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एलयू

मशीन लर्निंग के लिए एआई लैब

बीबीए की बढ़ेंगी सीटें

लखनऊ यूनिवर्सिटी के सेकेंड कैंपस में बीबीए एनालिटिक्स कोर्स की शुरूआत होगी. जिसके लिए बीबीए की अलग से 60 सीटों पर एडमिशन होंगे. इस टाइम आईएमएस में बीबीए की 300 सीटें हैं, जिसे 360 कर दिया जाएगा. इस कोर्स में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को एलयू द्वारा करवाए जाने वाले डायरेक्ट एंट्रेंस टेस्ट में शामिल होना होगा और टेस्ट को पास करने के बाद ही वो बीबीए एनालिटिक्स में एडमिशन ले सकेंगे.

बीबीए एनालिटिक्स में स्टूडेंट्स डाटा साइंस, सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर लैग्वेजेस, पाइथन, जावा, एनालिटिकल अप्रोच, प्लानिंग, फोरकास्टिंग, प्राइसिंग, बिजनेस एनालिसिस के साथ ही मशीन लर्निंग के बारे में भी जानेंगे. इस स्पेशलाइजेशन कोर्स के बाद स्टूडेंट्स डाटा साइंटिस्ट, बिजनेस एनालिस्ट, एनालिटिकल मैनेजर, स्ट्रैटजी मैनेजर के तौर पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना सकेंगे. बीबीए के थर्ड सेमेस्टर से ही स्टूडेंट्स एआई लैब के माध्यम से मशीन लर्निंग के बारे में पढ़ सकेंगे.

प्लेसमेंट होगा बेहतर

आईएमएस की डायरेक्टर प्रो. विनीता काचर के अनुसार, मैनेजमेंट फैकल्टी का प्लेसमेंट लगातार बेहतर हो रहा है. बीबीए एनालिटिक्स का प्लेसमेंट स्कोर 80 से 90 फीसद तक रहेगा क्योंकि बिजनेस एनालिस्ट्स की डिमांड बढ़ रही है.

फीस भी रहेगी कम

प्राइवेट यूनिवर्सिटीज में बीबीए एनालिटिक्स की फीस लाखों में है. जिसके कंपेरीजन में एलयू में बीबीए एनालिटिक्स के एक सेमेस्टर की फीस सिर्फ 35 हजार के आसपास होगी. इससे उन स्टूडेंट्स को भी फायदा होगा, जो ज्यादा फीस की वजह से पीछे रह जाते है. कोर्स में 8 सेमेस्टर होंगे.

काव्योत्सव में बही कविताओं की रसधार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय मेधावी छात्र परिषद की ओर से मालवीय सभागार में अटल काव्योत्सव हुआ। इस दौरान आईएएस डॉ. अखिलेश मिश्रा, विनय प्रकाश मिश्र, सरला आसमां, कुलदीप कलश, पल्लवी मिश्रा, अभिश्रेष्ठ तिवारी, उत्कर्ष उत्तम, हर्षित सिंह ने श्रोताओं को देशभक्ति, प्रेम, समाज, संघर्ष और जीवन के विविध रंगों से जोड़ा। समन्वयक डॉ. शांभवी मिश्रा ने कहा कि कविता सिर्फ शब्दों का खेल नहीं, बल्कि भावनाओं और विचारों की ताकत भी है। (संवाद)

लविवि : 11 विषयों के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को विषम सेमेस्टर परीक्षा के अंतर्गत स्नातक व परास्नातक स्तर के 11 विषयों के परिणाम जारी कर दिए। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमए पर्सियन प्रथम और एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी किया गया है।

इसके अलावा एमएससी कृषि एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन, एग्रोनॉमी, हॉर्टिकल्चर, सॉइल साइंस एंड एग्रीकल्चर केमिस्ट्री के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के नतीजे भी घोषित किए गए हैं। इसे विद्यार्थी लविवि की आधिकारिक वेबसाइट पर देख जा सकते हैं। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

'पढ़ाने के संग शोध व नवाचार पर जोर दें शिक्षक'

कला संकाय में डीन की ओर से आयोजित हुई सभा में शिक्षकों को कुलपति ने किया संबोधित

जासं • लखनऊ: विश्वविद्यालय सिर्फ शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कृति और बौद्धिक विमर्श का भी केंद्र होना चाहिए। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने शिक्षकों से आग्रह किया है कि वे केवल अध्यापन तक सीमित न रहें, बल्कि शोध और नवाचार के माध्यम से शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। कहा कि विद्यार्थियों को नवाचार और शोध की ओर प्रेरित करने से भी शिक्षा जगत में नई ऊंचाइयां हासिल की जा सकती हैं।

सोमवार को अधिष्ठाता कला संकाय की ओर से सोमवार को आयोजित सभा में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कुलपति ने बताया कि कला संकाय में सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई है, जो विश्वविद्यालय के अकादमिक विस्तार और प्रभाव को दर्शाता है। उन्होंने कला संकाय के विभिन्न विभागों, जैसे प्राचीन भारतीय इतिहास, अंग्रेजी, समाजशास्त्र और लोक प्रशासन में हुए उल्लेखनीय शैक्षणिक सुधारों की सराहना की। शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों की बौद्धिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक संसाधनों का पूरा उपयोग करें। हालांकि, उन्होंने कुछ विभागों में प्रतिभा के कम उपयोग पर चिंता जताई और शिक्षकों से उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण क्षमता तक इस्तेमाल करने का आग्रह किया। संकाय प्रमुखों से कहा कि वे अपने सहयोगियों की विशिष्ट प्रतिभाओं को पहचानें और उनका विकास करें, जिससे शिक्षकों के बीच सुदृढ़ पारस्परिक संबंध स्थापित हों।

कार्यक्रम के अंत में संकाय के कई शिक्षकों ने साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। डा. रौली मिश्रा, डा. अन्विता वर्मा, डा. सत्यकेतु, डा. अभिषेक, डा. माद्री और डा. अलका पांडेय ने अपनी काव्य रचनाएं और गायन प्रस्तुत किए।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कला संकाय की ओर से आयोजित बैठक में शिक्षकों को संबोधित करते कुलपति प्रो. आलोक राय • लवि

काव्योत्सव में गूंजे शब्दों के मोती

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में मेधावी छात्र परिषद द्वारा अटल काव्योत्सव में कविता पाठ करतीं सरला शर्मा • जागरण

जासं. लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सोमवार को मेधावी छात्र परिषद की ओर से आयोजित 'अटल काव्योत्सव' में शब्दों का अनूठा संगम देखने को मिला। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को समर्पित इस कार्यक्रम में उनकी रचनाओं के साथ-साथ कवियों की कविताएं भी गूंजीं।

मुख्य आकर्षण अटल बिहारी वाजपेयी की कविताओं का वाचन रहा। 'आओ फिर से दिया जलाएं', 'कुछ सपनों के मर जाने से जीवन नहीं मरा करता है...', 'मौत से ठन गई...,' 'बाधाएं आती हैं आएं, घिरें प्रलय की ओर घटाएं...' जैसी कविताओं ने श्रोताओं को भावविभोर किया। डा. अखिलेश मिश्रा, विनय प्रकाश मिश्र, सरला आसमां, पल्लवी मिश्रा, अभिश्रेष्ठ तिवारी, उत्कर्ष उत्तम ने कविताओं से देशभक्ति, प्रेम, समाज, और जीवन के विभिन्न रंगों से परिचित कराया। कार्यक्रम का आयोजन छात्र परिषद की अध्यक्ष अनुष्का श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष दामिनी तिवारी और श्रद्धा यादव के नेतृत्व में किया गया। संरक्षक डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. वीके शर्मा और समन्वयक शाम्भवी मिश्र रहीं।

लवि ने बदली मिड सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथि

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग ने एमबीए फाइनेंस एंड एकाउंटिंग पाठ्यक्रम के दूसरे व चौथे सेमेस्टर की मिड सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथि बदल दी है। अब यह परीक्षाएं तीन से पांच मार्च के स्थान पर 18 से 20 मार्च तक होंगी। प्रोग्राम के निदेशक प्रोफेसर अवधेश कुमार ने इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी कर दी है।

HINDUSTAN PAGE 7

सबसे अधिक शिक्षक कला संकाय में नियुक्त: कुलपति

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में कला संकाय की ओर से संकाय के पुराने और नए शिक्षकों के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अकादमिक तालमेल को बढ़ावा देने की बात की। कहा कि कला संकाय में सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्तियां हुई हैं, जो अकादमिक परिदृश्य पर इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि ज्ञान चाहने वाले छात्रों की बौद्धिक आवश्यकताओं को पढ़ाना व पूरा करना सबसे संतुष्टिदायक व्यवसायों में से एक है। कुलपति ने कहा कि शिक्षा जगत की यात्रा खोज और संतुष्टि की यात्रा है जहां संकाय सदस्यों को न केवल ज्ञान देना चाहिए बल्कि छात्रों को नॉलेज क्रिएशन के लिए प्रेरित भी करना चाहिए।

छात्रों ने लाल बारादरी की मरम्मत की मांग उठाई

लखनऊ विश्वविद्यालय स्थित लाल बारादरी की बदहाल स्थिति पर छात्रों ने सवाल खड़े किए हैं। धरोहर की मरम्मत के लिए विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया के जरिए मांग उठाई है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष यूपी मध्य आर्यन मिश्रा का कहना है मरम्मत न होने पर आंदोलन होगा।

एलयू: कई विषयों का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के कई विषयों का परिणाम जारी कर दिया गया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने सूचना जारी करते हुए बताया कि एमए पर्शियन प्रथम और एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार जिसे विद्यार्थी एलयू की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 7

कला संकाय में सबसे अधिक शिक्षकों की हुई नियुक्तियां : कुलपति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कला संकाय के डीन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा जगत में अंतःविषय अनुसंधान और सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। पुराने और नए शिक्षकों को परस्पर एक दूसरे को पहचानने और समन्वय के लिए आयोजित अपने संबोधन में प्रो. राय ने अकादमिक तालमेल को बढ़ावा देने और बौद्धिक विमर्श को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कला संकाय में सबसे अधिक शिक्षकों की नियुक्तियां हुई हैं, जो अकादमिक परिदृश्य पर इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में छात्रों के प्रवेश और अकादमिक परिणामों में प्राचीन भारतीय इतिहास, अंग्रेजी, समाजशास्त्र और लोक प्रशासन जैसे विभागों के उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब विभागाध्यक्ष उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, तो उनका नेतृत्व उनके संबंधित विभागों की समग्र उत्कृष्टता में परिवर्तित होता है।

लविवि ने जारी किया 11 विषयों का परिणाम

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक स्तर के कई विषयों का परिणाम जारी कर दिया गया है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने सूचना जारी करते हुए बताया कि एमए पर्शियन प्रथम और एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट जारी किया गया है। इसी तरह एमएससी कृषि एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन, एग्रोनॉमी, हॉर्टिकल्चर, सॉइल साइंस एंड एग्रीकल्चर केमिस्ट्री के प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के नतीजे भी घोषित किए गए हैं।